सर्कुलरिटी के लिये शहरों का गठबंधन (C-3)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री ने सर्कुलरिटी के लिये शहरों का **गठबंधन (C-3)** की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **गठबंधन (C-3) के बारे में:**
  - यह **सतत् शहरी विकास** **के लिये** शहर-दर-शहर सहयोग, ज्ञान-साझाकरण और निजी क्षेत्र की साझेदारी के लिये एक बहुराष्ट्रीय गठबंधन है।
  - इसका उद्देश्य **एशिया-प्रशांत क्षेत्र के नगरों** को **अपशिष्ट प्रबंधन** एवं **संसाधन दक्षता** से जुड़ी चुनौतियों के समाधान में सहयोग प्रदान करना है।
  - भारत के प्रधानमंत्री ने **C-3 गठबंधन** की **संरचना** एवं **परिचालन रूपरेखा** को अंतिम रूप देने हेतु **सदस्य देशों के एक कार्य समूह** के गठन का प्रस्ताव रखा, जिससे इस पहल को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा सके।
- **घोषणा:**
  - इसकी घोषणा **जयपुर में** एशिया और **प्रशांत क्षेत्र** में 12 वें क्षेत्रीय 3R और **सर्कुलर इकोनॉमी** फोरम के के दौरान की गई थी।
  - जयपुर में आयोजित उद्घाटन समारोह में **CITIIS 2.0** के लिये एक महत्त्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये गये, जो शहरी स्थिरता पहलों में एक उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में स्थापित होगा।
  - इस पहल के तहत **सिटी इन्वेस्टमेंट्स टू इनोवेट, इंटीग्रेट एंड सस्टेन 2.0 (CITIIS 2.0)** के लिये **1,800 करोड़ रुपए** के समझौतों की घोषणा की गई, जिससे **14 राज्यों के 18 नगरों** को लाभ मिलेगा।
- **12वीं क्षेत्रीय फोरम बैठक**
  - यह एक क्षेत्रीय मंच है जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र में **3R (Reduce, Reuse, Recycle)** सिद्धांतों और **सर्कुलर अर्थव्यवस्था की** प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है।
  - यह संसाधन दक्षता रणनीतियों को आगे बढ़ाने के लिये नीति निर्माताओं, उद्योग के नेताओं, शोधकर्त्ताओं और भागीदारों को एक साथ लाता है।
  - **ऐतिहासिक संदर्भ:** इसे 3R सिद्धांतों और संसाधन दक्षता को बढ़ावा देने के लिये 2009 में लॉन्च किया गया था।
  - **हनोई 3R घोषणा** (2013-2023) ने संसाधन-कुशल और **सर्कुलर** अर्थव्यवस्था के लिये 33 स्वैच्छिक लक्ष्य निर्धारित किये हैं।
  - **विषय:** एशिया-प्रशांत में SDG और **कार्बन तटस्थता** प्राप्त करने की दिशा में **चक्रीय समाजों** को साकार करना।
  - **उद्देश्य:** संसाधन-कुशल, कम कार्बन और लचीले एशिया-प्रशांत के लिये स्वैच्छिक, गैर-बाध्यकारी "3R और सर्कुलर अर्थव्यवस्था घोषणा (2025-2034)" पर चर्चा करना और सहमति बनाना।

सर्कुलर अर्थव्यवस्था

- **चक्रीय अर्थव्यवस्था** एक ऐसी प्रणाली है, जहाँ **सामग्री कभी भी अपशिष्ट में परिवर्तित नहीं होती** और **प्राकृतिक संसाधनों का पुनरुद्धार** संभव होता है।
- इस प्रणाली में **उत्पादों एवं सामग्रियों** को **रखरखाव, पुनः उपयोग, नवीनीकरण, पुनर्निर्माण, पुनर्चक्रण** और **खाद निर्माण** जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से सतत् परिसंचरण में बनाए रखा जाता है।
- चक्रीय अर्थव्यवस्था का उद्देश्य **सीमित संसाधनों के अत्यधिक दोहन से मुक्त आर्थिक विकास** को प्रोत्साहित करना है।
- यह **जलवायु परिवर्तन**, **जैवविविधता की हानि**, **अपशिष्ट प्रबंधन** और **प्रदूषण** जैसी वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी रूप से निपटने में सहायक सिद्ध होती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cities-coalition-for-circularity-s-3